राधा दौड़ी आए | By Suren Namdev |

वृंदावन का कृष्ण कन्हैया
जब भी बंसी बजाए
राधा दौड़ी आए
राधा दौड़ी आए

कितनी प्यारी धुन तेरी
दिल ठुमक ठुमक कर नाचे
भूल चुके हम सबका नाम
तेरी प्रीत के आगे
जादू जगाया ऐसा तूने
खुद को कैसे समझाए
राधा दौड़ी आए
राधा दौड़ी आए

प्रेम लगाना में ऐसी खोई
जैसे बंध गया बंधन
हर पल तेरी याद सताए
जैसे आ गया सावन
दोनों मिलके झूल रहे हैं
पवन देख मुस्काए
राधा दौड़ी आए
राधा दौड़ी आए

तेरी दया से लिखे भजन
राधा गोहर मोहन
सारी उम्र साथ निभाना
देर न करना मोहन
झूम रहा है मन मेरा
गुण तेरा है गाए
राधा दौड़ी आए
राधा दौड़ी आए

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%8c%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%8f-by-suren-namdev/